पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राज0)

"सत्र 2019–20"

हिन्दी साहित्य

(कला संकाय)

बी.ए. प्रथम वर्ष – हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – आदिकाल और भक्तिकाल

पूर्णांक : 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

1. ढोला मारू रा दोहा	–	संपादक – नरोत्तम दास स्वामी दोहा संख्या– 119 से 133 तक
2. विद्यापति – संपादक	–	शिवप्रसाद सिंह
		नन्दक नन्दन – विद्यापति पदावली
	–	सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बसिया
	–	विरह व्याकुल मृदुल तरूवर
	–	कुंज भवन से चल भेलि हे
	–	सखि हे कतऊं न देख मधाई
3. चन्दबरदाई	–	संपादक – पृथ्वीराज रासौ, संपादक – हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह कैमास करनाटी प्रसंग – 1 से 5 छंद
4. कबीर दास	–	कबीर ग्रंथावली संपादक – श्यामसुंदर दास विरह को अंग साखी सं. – 7,8,9,11,12,13,14,15,16,17 पद – दुलहन गावहु मंगल चार – गोविन्द हम ऐसे अपराधी – पंडित वाद वदन्ते झूठा – कोई जाणैगा जाणनहारा – न जाने मिलन गोपाला
5. सूरदास	पद	सूरसागर सार – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
	–	ऊधो अखियां अति अनुरागी
	–	उपमा एक न नैन गही
	–	ऊधो मन नाहीं दस–बीस
	–	निर्गुण कौन देस को वासी
	–	हमारे हरि हारिल की लकरी
	–	उर में माखन चोर गड़े
	–	मधुकर श्याम हमारे चोर
	–	ऊधो भली करी ब्रज आए
	–	बिन गोपाल बैरिन भई कुंजैं
	–	लखियत कालिन्दी अति कारी
6. तुलसीदास	छंद	कवितावली – गीता प्रेस गोरखपुर
	–	पुरते निकसी रघुवीर वधू
	–	जल को गए लक्खन है लरिका
	–	रानी मैं जानि अजानी महा

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

	–	सुन सुंदर बैन सुधारस साने
	–	कोपि दशकंध तव प्रलय पयोध बोले
	–	पावक, पवन, पानी भानू हिम कातु जम्मु
	–	गजबाजि घटा भलै भूरि मरा
	–	राज सुरेस पचासक कौ, विधि के मसक
7. जायसी	–	जायसी ग्रंथावली, सं. – रामचन्द्र शुक्ल
	–	सिंहलद्वीप वर्णन खंड, प्रारम्भ के 5 अंश
	–	सिंहलद्वीप कथा अब गांउ..... भासा लेहि दई कर नाभु
8. मीरां	–	मीरा रचनावली सं. – नरोत्तम स्वामी पद संख्या – 14, 15, 16, 20, 23, 28, 31, 32
9. रसखान	–	रसखान रचनावली सं. – विद्यानिवास मिश्र
	–	सुजान रसखान अंश से प्रथम 8 छंद

अंक विभाजन –

कुल चार व्याख्याएं विकल्प देय — 10 X 4 = 40
एक कवि से एक ही

आलोचनात्मक प्रश्न 3 (विकल्प देय) — 16 X 3 = 48

एक प्रश्न टिप्पणी परक
किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी (विकल्प देय) 6 X 2 = 12
(आदिकाल तथा भक्तिकाल की प्रवृतियों से संबंधित)

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

बी.ए. वर्ष प्रथम – हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – (उपन्यास, कहानी एवं गद्य की अन्य विधाएं)

पूर्णांक : 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक : 36

खण्ड – अ

1. उपन्यास – आपका बंटी (मन्नू भंडारी)

2. कहानी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
प्रेमचंद	–	पूस की रात
जय शंकर प्रसाद	–	आकाशदीप
जैनेन्द्र	–	पाजेब
फणीश्वरनाथ रेणु	–	तीसरी कसम
मोहन राकेश	–	मलबे का मालिक
रांगेय राघव	–	गदल
अमरकान्त	–	जिन्दगी और जोंक
निर्मल वर्मा	–	परिन्दे

खण्ड – ब

3. गद्य की विधाएं

डायरी	– हरिवंश राय बच्चन	– प्रवास की डायरी : कुछ पन्ने
संस्मरण	– अज्ञेय	– बसन्त के अग्रदूत : निराला
यात्रा	– धर्मवीर भारती	– ठेले पर हिमालय
रेखाचित्र	– रामवृक्ष बेनीपुरी,	– सुभानखॉ (माटी की मूरतें, ग्रंथावली से)

खण्ड – स

हिन्दी उपन्यास व कहानी स्वरूप और परिभाषा
हिन्दी उपन्यास व हिन्दी कहानी का विकास
हिन्दी गद्य का विकास, गद्य की विविध विधाएं

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं (खण्ड 'अ' व 'ब' से) (आन्तरिक विकल्प देय) $10 \times 4 = 40$ अंक
कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न $15 \times 4 = 60$ अंक
खण्ड 'अ' दो प्रश्न – एक उपन्यास पर, एक कहानी पर(आन्तरिक विकल्प देय)
खण्ड 'ब' से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
खण्ड 'स' से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

Incharge
Academic
PDUSU, SIKAR